

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
1	पथम अध्यायः विषय पवेश	1....46
	1.1 पस्तावना	1
	1.2 दलित का अर्थ	2
	1.3 दलित साहित्य से तात्पर्य	5
	1.4 दलित साहित्य की महत्ता	9
	1.5 तुलनात्मक अध्ययन की उपादेयता	11
	1.6 ब्रिटिश राज तथा स्वाधिनता के उपरान्त दलितों को प्राप्त विशेष अधिकार	13
	1.7 नवजागरण के समाज सुधारकों का योगदानः	17
	1.8 दलित जातियों का वर्गीकरण	28
	1.9 दलित जातियों पर थोपी गई नियोग्यताएं	32
	1.10 निष्कर्ष	39

	1.11 संदर्भ	39
2	द्वितीय अध्याय: हिन्दी और मराठी दलित कथा साहित्य की पृष्ठ भूमि	47...65
	2.1 पस्तावना	47
	2.2 हिन्दी दलित साहित्य की आदिकालीन पृष्ठभूमि	47
	2.3 भक्तिकालीन निर्गुण संत कवियों का योगदान	50
	2.4 मराठी दलित कथा साहित्य की पृष्ठभूमि	53
	2.5 मराठी साहित्य में संत कवियों का योगदान	61
	2.6 निष्कर्ष	64
	2.7 संदर्भ	64
3	तृतीय अध्याय: हिन्दी और मराठी दलित कहानी साहित्य	66...128
	3.1 पस्तावना	66
	3.2 हिन्दी दलित कहानीकार और कहानियां	66
	3.3 मराठी दलित कहानीकार और कहानियां	98
	3.4 निष्कर्ष	124
	3.5 संदर्भ	126
4	चतुर्थ अध्याय: हिन्दी और मराठी दलित उपन्यास साहित्य	129...193
	4.1 पस्तावना	129
	4.2 हिन्दी दलित उपन्यासकार एवं उपन्यास	130

	4.3 मराठी दलित उपन्यासकार एवं उपन्यास	154
	4.4 निष्कर्ष	189
	4.5 संदर्भ	190
5	पंचम अध्याय: हिन्दी और मराठी दलित साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन	194...214
	(अ) दलित कहानियों के परिपेक्ष्य में हिन्दी और मराठी दलित कथा साहित्य की तुलना	194...202
	5.1 पस्तावना	194
	5.2 विषयवस्तु की दृष्टि से हिन्दी और मराठी दलित कहानियों की तुलना	194
	5.3 निरूपण शैली की दृष्टि से हिन्दी और मराठी दलित कहानियों की तुलना	196
	5.4 युगबोध निरूपण की दृष्टि से हिन्दी और मराठी दलित कहानियों की तुलना	198
	5.5 विचारधारा की दृष्टि से हिन्दी और मराठी दलित कहानियों की तुलना	199
	5.6 निष्कर्ष	201
	5.7 संदर्भ	202
	(ब) दलित उपन्यास के परिपेक्ष्य में हिन्दी और मराठी दलित कथा साहित्य की तुलना	203...214
	5.1 पस्तावना	203

	5.2 विषयवस्तु की दृष्टि से हिन्दी और मराठी दलित उपन्यासों की तुलना	205
	5.3 निरूपण शैली की दृष्टि से हिन्दी और मराठी दलित उपन्यासों की तुलना	208
	5.4 युगबोध निरूपण की दृष्टि से हिन्दी और मराठी दलित उपन्यासों की तुलना	209
	5.5 विचारधारा की दृष्टि से हिन्दी और मराठी दलित उपन्यासों की तुलना	210
	5.6 निष्कर्ष	213
	5.7 संदर्भ	214
6	षष्ठम् अध्यायः हिन्दी और मराठी दलित कथा साहित्य में निरूपित समस्याएँ	215..234
	(अ) हिन्दी और मराठी दलित कहानी साहित्य में निरूपित समस्याएँ	215..222
	6.1 पस्तावना	215
	6.2 हिन्दी और मराठी दलित कहानियों में निरूपित शैक्षिक समस्याएँ	216
	6.3 हिन्दी और मराठी दलित कहानियों में निरूपित आर्थिक समस्याएँ	217
	6.4 हिन्दी और मराठी दलित कहानियों में निरूपित राजनैतिक समस्याएँ	217
	6.5 हिन्दी और मराठी दलित कहानियों में निरूपित धार्मिक समस्याएँ	218
	6.6 हिन्दी और मराठी दलित कहानियों में निरूपित सामाजिक समस्याएँ	219
	6.7 निष्कर्ष	221

	6.8 संदर्भ	222
	(ब) हिन्दी और मराठी दलित उपन्यास साहित्य में निरूपित समस्याएँ	223...234
	6.1 पस्तावना	223
	6.2 हिन्दी और मराठी दलित उपन्यासों में निरूपित शैक्षिक समस्याएँ	224
	6.3 हिन्दी और मराठी दलित उपन्यासों में निरूपित आर्थिक समस्याएँ	227
	6.4 हिन्दी और मराठी दलित उपन्यासों में निरूपित राजनैतिक समस्याएँ	228
	6.5 हिन्दी और मराठी दलित कहानियों में निरूपित धार्मिक समस्याएँ	229
	6.6 हिन्दी और मराठी दलित कहानियों में निरूपित सामाजिक समस्याएँ	231
	6.7 निष्कर्ष	233
	6.8 संदर्भ	234
7	सप्तम अध्याय : हिन्दी और मराठी दलित कथा साहित्य: शिल्प एवं भाषाशैली	236...250
	7.1 पस्तावना	236
	7.2 दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	238
	7.3 दलित साहित्य की भाषा	240
	7.4 दलित साहित्य का शिल्प सौष्ठव	243
	7.5 दलित साहित्य पर लगाये गए आरोप	246
	7.6 निष्कर्ष	249

	7.7 संदर्भ	250
●	उपसंहार	251...257
●	संदर्भ ग्रंथ	258...264
●	पत्र – पत्रिकाएँ	265...267
●	इन्टरनेट –विवरण	268